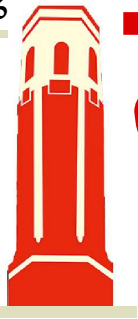


- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 251
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00



दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

रामपुर तिराहा के अमर बलिदानियों को मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रामपुर तिराहा पहुंचकर अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीद स्थल रामपुर तिराहा, मुजफ्फरनगर में उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी शहीदों की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में प्रतिभाग कर शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन में शहीद हुए जिन आंदोलनकारियों की प्रतिमाएं अब तक स्थापित नहीं हुई हैं, उनकी प्रतिमाएं उनके पैतृक गांव अथवा निवास क्षेत्र में उपयुक्त स्थान पर स्थापित की जाएंगी। उन्होंने रामपुर तिराहा स्थित राज्य अतिथि गृह के उच्चीकरण, स्मारक परिसर में स्थित पुस्तकालय को ई-लाइब्रेरी के रूप में विकसित करने तथा संग्रहालय के विस्तार की भी घोषणा की। संग्रहालय में उत्तराखण्ड के पारंपरिक वाद्य यंत्रों, वेशभूषा एवं लोक संस्कृति से संबंधित सामग्री को भी शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के पुनः चिन्हीकरण की प्रक्रिया भी शीघ्र



पूरी की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले उत्तराखण्ड के वीर सैनिकों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए उनकी प्रतिमाएं उनके पैतृक गांवों में स्थापित करने का निर्णय पहले ही लिया है। इसी भावना के अनुरूप

राज्य आंदोलन के अमर बलिदानियों की स्मृतियों को भी भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रामपुर तिराहा कांड के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारियों और बलिदानियों के सपनों के अनुरूप राज्य

के निर्माण के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों और बलिदानियों के आशीर्वाद से उन्हें लगातार छठे वर्ष रामपुर तिराहा सहित खटीमा एवं अन्य शहीद स्थलों पर श्रद्धासुमन अर्पित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा

कि 01 एवं 02 अक्टूबर 1994 की रात रामपुर तिराहा में शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली जा रहे राज्य आंदोलनकारियों के साथ हुई घटना उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के इतिहास का अत्यंत पीड़ादायक अध्याय है। पृथक उत्तराखण्ड राज्य के लिए आंदोलनकारियों ने लंबा संघर्ष किया। खटीमा, मसूरी, रामपुर तिराहा और श्रीनगर के श्री यंत्र टापू सहित विभिन्न स्थानों पर आंदोलनकारियों ने अपना बलिदान दिया। उनके संघर्ष और बलिदान के परिणामस्वरूप ही उत्तराखण्ड पृथक राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल, विधान परिषद सदस्य श्रीमती वंदना वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष मुजफ्फरनगर डॉ. सुधीर सैनी, उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड संस्कृति, साहित्य एवं कला परिषद सुश्री मधु भट्ट, उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी सम्मान परिषद सुभाष बड़थवाल, सचिव संस्कृति युगल किशोर पंत, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित बड़ी संख्या में राज्य आंदोलनकारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

32 वर्षों बाद भी जीवंत है 'अन्याय का दर्द'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य आंदोलन के सबसे पीड़ादायक अध्याय रामपुर तिराहा कांड को 32 वर्ष पूरे हो चुके हैं। तीन दशक से अधिक समय बीतने के बाद भी यह घटना उत्तराखंड की सामूहिक स्मृति में उतनी ही जीवंत है। आंदोलनकारियों पर हुई कार्रवाई, महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार और गोलीकांड ने जिस पीड़ा को जन्म दिया, वह आज भी राज्य की राजनीति और सामाजिक चेतना का हिस्सा है। 32 वर्ष बाद न्याय की दिशा में हुई प्रगति को उम्मीद की शुरुआत माना जा रहा है, लेकिन इसे मंजिल मान लेना अभी जल्दबाजी होगी।

रामपुर तिराहा केवल एक स्थान का नाम नहीं है। यह उस दौर की याद है जब अलग उत्तराखंड राज्य की मांग को लेकर पहाड़ों से हजारों लोग दिल्ली की ओर कूच कर रहे थे। दो अक्टूबर 1994 की रात मुजफ्फरनगर के रामपुर तिराहा पर आंदोलनकारियों को रोकने के दौरान हुई

हिंसा ने पूरे आंदोलन को झकझोर दिया। इस घटना के बाद उत्तराखंड आंदोलन ने एक निर्णायक मोड़ लिया और राज्य गठन की मांग और अधिक मुखर हुई।

उत्तराखंड का गठन वर्ष 2000 में हो गया, लेकिन रामपुर तिराहा से जुड़े मामलों में न्याय की प्रक्रिया लंबी खिंचती रही। यही वजह है कि हर वर्ष दो अक्टूबर के आसपास शहीदों को याद करते हुए एक सवाल फिर सामने आता है कि क्या जिन लोगों ने राज्य के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगाया, उन्हें पूरा न्याय मिला? समय बीतने के साथ इस घटना के प्रत्यक्षदर्शियों और आंदोलनकारियों की संख्या कम हो रही है। नई पीढ़ी के सामने चुनौती है कि वह इस इतिहास को केवल एक सरकारी कार्यक्रम या श्रद्धांजलि दिवस तक सीमित न होने दे। रामपुर तिराहा की स्मृति को राजनीतिक भाषणों से आगे ले जाकर न्याय, जवाबदेही और इतिहास की सच्चाई से जोड़ना होगा।

रामपुर तिराहा के संदर्भ में न्याय का



रामपुर तिराहा कांड की 32वीं बरसी

- ◆ स्मृति, संघर्ष और न्याय की अधूरी आस, उत्तराखंड आंदोलन का वह काला दिन
- ◆ तीन दशक बीतने के बाद भी यह घटना उत्तराखंड की सामूहिक स्मृति में जीवंत
- ◆ आंदोलनकारियों को रोकने के दौरान हिंसा ने पूरे आंदोलन को झकझोरा था

अर्थ केवल दोषियों को सजा दिलाना नहीं है। न्याय का व्यापक अर्थ यह भी है कि उस रात क्या हुआ, किन परिस्थितियों में हुआ, किसकी क्या भूमिका थी और पीड़ितों को अब तक क्या मिला। इन सवालों का तथ्यात्मक और निष्पक्ष जवाब समाज के सामने आए। न्यायिक प्रक्रिया अपनी गति

से चलती है, लेकिन लोकतांत्रिक समाज में संस्थागत जवाबदेही का प्रश्न उससे भी बड़ा है। किसी भी आंदोलन में शामिल नागरिकों के अधिकारों की रक्षा राज्य की जिम्मेदारी होती है। यदि कहीं इन अधिकारों का उल्लंघन हुआ है तो उसकी जवाबदेही तय होना लोकतंत्र की मजबूती का संकेत है। उत्तराखंड आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि देने का सबसे सार्थक तरीका केवल पुष्पांजलि नहीं हो सकता। असली श्रद्धांजलि तब होगी जब राज्य उस आंदोलन की मूल भावना को समझे। पारदर्शी शासन, जवाबदेही, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, गांवों की मजबूती और पहाड़ के लोगों के सम्मान की भावना। राज्य आंदोलन की एक बड़ी चिंता यह थी कि पहाड़ के लोगों की आवाज सत्ता के केंद्र तक पहुंचे। तीन दशक बाद भी पलायन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और गांवों के भविष्य से जुड़े सवाल मौजूद हैं। इसलिए रामपुर तिराहा की स्मृति आज के उत्तराखंड से भी सवाल करती है कि जिस राज्य के लिए बलिदान दिया गया, वह राज्य

अपने मूल सवालों का कितना समाधान कर पाया।

32 वर्ष बाद न्याय की प्रक्रिया में आगे बढ़ना निश्चित रूप से उम्मीद पैदा करता है। लेकिन न्याय की शुरुआत को अंतिम पड़ाव मान लेना उस संघर्ष की भावना के साथ न्याय नहीं होगा। अभी पीड़ित परिवारों की पीड़ा, लंबित कानूनी प्रक्रियाएं और इतिहास की पूरी सच्चाई समाज के सामने लाने का दायित्व बाकी है। रामपुर तिराहा को केवल कैलेंडर की एक तारीख न बनाया जाए। यह उत्तराखंड के लोकतांत्रिक इतिहास का वह अध्याय है जो हर पीढ़ी को यह याद दिलाता रहेगा कि अधिकारों की लड़ाई में नागरिकों की आवाज का सम्मान कितना जरूरी है। 32 वर्ष बाद न्याय की उम्मीद जगी है। अब जरूरत इस बात की है कि यह उम्मीद परिणाम तक पहुंचे। क्योंकि रामपुर तिराहा के शहीदों के प्रति हमारा कर्तव्य केवल उन्हें याद करना नहीं, बल्कि उनके संघर्ष से निकले सवालों का जवाब तलाशना भी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

डिफेंस मार्केट में दबदबा

भारत की पहचान लंबे समय तक दुनिया के बड़े रक्षा आयातक देशों में होती रही। युद्धक विमान से लेकर हेलीकॉप्टर, मिसाइल प्रणाली और रक्षा उपकरणों तक के लिए विदेशी निर्भरता भारतीय रक्षा व्यवस्था की एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में तस्वीर तेजी से बदली है। भारत अब केवल हथियार खरीदने वाला देश नहीं, बल्कि रक्षा उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह बदलाव महज आंकड़ों की कहानी नहीं है। इसके पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती जरूरत, रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने की नीतियां, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी और स्वदेशी तकनीक विकसित करने पर दिया जा रहा जोर है। भारत का लक्ष्य स्पष्ट है कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में मजबूत हिस्सेदारी। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि भारतीय कंपनियां और सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा प्रतिष्ठान अब विदेशी बाजारों में भी अपने उत्पादों के साथ पहुंच बना रहे हैं। मिसाइल प्रणालियों, तोपों, रडार, इलेक्ट्रानिक उपकरणों, सुरक्षा प्रणालियों और अन्य रक्षा उत्पादों की वैश्विक मांग भारत के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। ब्रह्मोस जैसी प्रणालियों ने यह संदेश भी दिया है कि भारत जटिल रक्षा तकनीक विकसित और निर्यात करने की क्षमता रखता है। रक्षा निर्यात में वृद्धि का एक दूसरा बड़ा अर्थ है कि भारतीय उद्योग की तकनीकी क्षमता का विस्तार। रक्षा उत्पादन केवल हथियार बनाने तक सीमित नहीं है। इसके साथ अनुसंधान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रानिक्स, साइबर तकनीक, अंतरिक्ष, ड्रोन, रोबोटिक्स और उन्नत विनिर्माण जैसे अनेक क्षेत्र जुड़े हैं। इसलिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का प्रभाव अर्थव्यवस्था के दूसरे हिस्सों पर भी पड़ता है। हालांकि यहां आत्मसंतोष की गुंजाइश नहीं है। भारत को अभी भी कई अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों के लिए विदेशी सहयोग और आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। इंजन तकनीक, अत्याधुनिक सेंसर, कुछ इलेक्ट्रानिक प्रणालियां और उन्नत विमानन तकनीक जैसे क्षेत्रों में लंबी दूरी तय करनी बाकी है। केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा।भारत को डिजाइन, अनुसंधान और मूल तकनीक के विकास में भी वैश्विक स्तर की क्षमता हासिल करनी होगी। रक्षा बाजार में दबदबा केवल हथियार बेचने से नहीं बनता। असली ताकत तब होगी जब भारत किसी रक्षा प्रणाली की पूरी जीवन-चक्र क्षमता, डिजाइन, उत्पादन, रख-रखाव, उन्नयन और तकनीकी सहायता अपने दम पर उपलब्ध करा सके। इससे भारतीय रक्षा उद्योग को दीर्घकालिक वैश्विक बाजार मिल सकता है। इस दिशा में निजी उद्योग और स्टार्टअप की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। देश में रक्षा क्षेत्र से जुड़े नए उद्यम ड्रोन, एंटी-ड्रोन सिस्टम, निगरानी तकनीक, संचार, साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों पर काम कर रहे हैं। यदि इन्हें अनुसंधान संस्थानों, सेनाओं और बड़े रक्षा उद्योगों के साथ प्रभावी ढंग से जोड़ा गया तो भारत की रक्षा क्षमता में बड़ा बदलाव संभव है। भारत के लिए रक्षा निर्यात आर्थिक अवसर भी है और रणनीतिक साधन भी। जिन देशों को भारतीय रक्षा प्रणालियां मिलती हैं, उनके साथ तकनीकी और सामरिक संबंध भी मजबूत होते हैं। इससे भारत की वैश्विक कूटनीतिक पहुंच बढ़ती है। लेकिन हथियारों के निर्यात में गुणवत्ता, विश्वसनीयता और जिम्मेदार निर्यात नीति को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। बाजार बढ़ाने की होड़ में दीर्घकालिक रणनीतिक हितों की अनदेखी नहीं की जा सकती। आज भारत जिस मोड़ पर खड़ा है, वहां रक्षा क्षेत्र को केवल सेना की जरूरतों से जोड़कर देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह राष्ट्रीय औद्योगिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रभाव का भी प्रश्न है। आने वाले वर्षों में भारत यदि रक्षा अनुसंधान में निवेश बढ़ाता है, विश्वविद्यालयों और उद्योग के बीच मजबूत तालमेल बनाता है और स्वदेशी तकनीक को प्राथमिकता देता है, तो वह दुनिया के बड़े रक्षा उत्पादक देशों की कतार में और मजबूती से खड़ा हो सकता है। भारत का रक्षा बाजार में बढ़ता दबदबा इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह उस देश की बदलती तस्वीर पेश करता है जो कभी हथियारों का बड़ा आयातक था और अब अपने लिए हथियार बनाने के साथ दुनिया को भी रक्षा उत्पाद देने की क्षमता विकसित कर रहा है। चुनौती अब यह है कि इस गति को टिकाऊ बनाया जाए। क्योंकि रक्षा क्षेत्र में असली आत्मनिर्भरता आंकड़ों से नहीं, अपनी तकनीक, अपनी क्षमता और अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता से तय होती है।

फोरेक्स ट्रेडिंग व्यापार में निवेश के नाम पर ठगे डेढ करोड रुपये

संवाददाता
देहरादून। फोरेक्स ट्रेडिंग व्यापार में निवेश के नाम पर डेढ करोड रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोसाईटी एरिया क्लेमनटाउन निवासी चन्द्र बल्लभ शुक्ल ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि मुजफ्फरनगर निवासी लविश चौधरी नत्थुवाला निवासी नवीन सिंह चुक्खुवाला निवासी अनिल कुमार, डीएल रोड निवासी अनिल कुमार, कौलागढ निवासी करन व नोएड निवासी व्यक्ति ने उसको फोरेक्स ट्रेडिंग व्यापार में निवेश ऊंचे रिटर्न मुनाफे का लालच देकर उससे एक करोड 55 लाख 49 हजार रूपया ठग लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विपक्ष के सवालों पर भाजपा का पलटवार

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सियासत लगातार तेज होती जा रही है। विपक्षी दल जहां एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे रोकने की मांग कर रहे हैं, वहीं भाजपा ने इस विरोध को राजनीतिक मुद्दा बनाकर चुनावी माहौल गरमाने की कोशिश करार दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेन्द्र भट्ट ने कहा है कि संवैधानिक प्रक्रिया के जरिए जनता का विश्वास हासिल करने में असफल लोग अब हताशा में चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं।

भाजपा का तर्क है कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण निर्वाचन प्रक्रिया का हिस्सा है और इसका उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक त्रुटिहीन बनाना है। पार्टी ने कांग्रेस से प्रक्रिया का विरोध करने के बजाय आपत्तियों के निस्तारण में सहयोग करने की अपील भी की है। अगस्त में भट्ट ने कहा था कि राजनीतिक दलों और नागरिकों को मतदाता सूची को दुरुस्त करने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

एसआईआर को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच टकराव ऐसे समय बढ़ रहा है, जब उत्तराखंड में 2०27 विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो रही हैं। भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि वह एसआईआर को आगामी चुनाव में अपनी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बना रही है और चुनावी हार की आशंका के बीच नए मुद्दे तलाश रही है।

कांग्रेस की ओर से इसके विपरीत एसआईआर और निर्वाचन आयोग की



कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। यानी मतदाता सूची का तकनीकी पुनरीक्षण अब सीधे राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। भाजपा इसे चुनावी व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित करने वाली संवैधानिक प्रक्रिया के रूप में पेश कर रही है, जबकि विपक्ष पारदर्शिता और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े सवाल उठा रहा है।

एसआईआर को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर भी विवाद चल रहा है। निर्वाचन आयोग ने 23 सितंबर को कहा था कि एसआईआर से संबंधित निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं। दूसरी ओर, विपक्षी दल आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते रहे हैं और प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग कर रहे हैं। भाजपा ने आयोग के फैसलों का बचाव करते हुए विपक्ष पर संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को प्रभावित करने का

आरोप लगाया है। इस बीच भाजपा के कुछ सहयोगी दलों ने भी एसआईआर को लेकर निर्वाचन आयोग से अधिक स्पष्टता और पारदर्शिता की मांग की है, जिससे यह मुद्दा केवल भाजपा बनाम विपक्ष की बहस तक सीमित नहीं रह गया है।

उत्तराखंड में अब एसआईआर को लेकर दो समानांतर राजनीतिक नैरेटिव दिखाई दे रहे हैं। भाजपा इसे मतदाता सूची की शुद्धता और संवैधानिक प्रक्रिया से जोड़ रही है, जबकि विपक्ष इसे मतदाता अधिकारों और चुनावी पारदर्शिता के सवाल से जोड़ रहा है। दोनों पक्षों के बीच बढ़ता टकराव आने वाले महीनों में चुनावी विमर्श का हिस्सा बन सकता है। 2०27 के चुनाव से पहले एसआईआर पर छिड़ी यह बहस इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मतदाता सूची सीधे चुनाव की बुनियाद से जुड़ी है। ऐसे में राजनीतिक आरोपों से आगे बढ़कर यह सुनिश्चित करना अहम होगा कि पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रहें, आपत्तियों का नियमानुसार निस्तारण हो और पूरी प्रक्रिया के बारे में मतदाताओं को स्पष्ट जानकारी मिले।

फिलहाल भाजपा ने विपक्ष के आंदोलन को संवैधानिक प्रक्रिया से जनता का विश्वास जीतने में असफल लोगों की हताशा बताया है, जबकि विपक्ष एसआईआर की प्रक्रिया पर अपने सवालों के साथ आंदोलन जारी रखने की तैयारी में है। इस तरह उत्तराखंड की चुनावी राजनीति में एसआईआर अब महज मतदाता सूची के पुनरीक्षण का प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि 2०27 से पहले भाजपा और विपक्ष के बीच एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है।

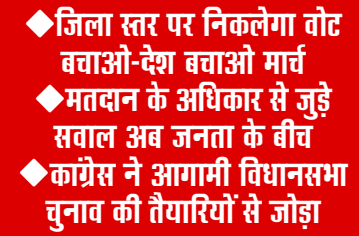
कांग्रेस का लोकतंत्र बचाओ सप्ताह

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड में 2०27 विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अपना आंदोलन तेज करने की तैयारी कर ली है। पार्टी ने जिला स्तर पर लोकतंत्र बचाओ सप्ताह आयोजित करने और इसके तहत वोट बचाओ-देश बचाओ मार्च निकालने का निर्णय लिया है। कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूची और मतदान के अधिकार से जुड़े सवालों को जनता के बीच ले जाना जरूरी है।

कांग्रेस के इस अभियान को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर भी देखा जा रहा है। पार्टी संगठन को जिला और ब्लाक स्तर तक सक्रिय करने के साथ एसआईआर के मुद्दे पर कार्यकर्ताओं और आम मतदाताओं के बीच संवाद बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी का फोकस अब इस मुद्दे को केवल नेताओं की बयानबाजी तक सीमित रखने के बजाय सड़क और जनसंपर्क अभियान तक ले जाने पर है।

कांग्रेस लंबे समय से एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाती रही है। पार्टी नेताओं का तर्क है कि मतदाता सूची में किसी भी तरह की गड़बड़ी या पात्र मतदाताओं के नाम हटने की आशंका लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर विषय है। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता

जिला मुख्यालयों पर मार्च निकालेंगे और जनता के बीच अपनी बात रखेंगे। वहीं भाजपा एसआईआर को निर्वाचन प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए कांग्रेस के विरोध को राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश के रूप में देख रही है। भाजपा का कहना है कि मतदाता सूची को दुरुस्त करने की संवैधानिक प्रक्रिया का विरोध करने के बजाय राजनीतिक दलों को इसमें सहयोग



करना चाहिए।

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव में अभी समय है, लेकिन दोनों प्रमुख दलों ने संगठनात्मक स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने पर जोर दे रही है। कांग्रेस इसके समानांतर सरकार के खिलाफ जनमुद्दों को लेकर आंदोलन की रणनीति आगे बढ़ा रही है। ऐसे में वोट बचाओ-देश बचाओ मार्च कांग्रेस के लिए केवल एक विरोध कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं को चुनावी अभियान के लिए सक्रिय करने का माध्यम भी बन सकता

है। जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों के जरिए पार्टी स्थानीय मुद्दों को एसआईआर के सवाल के साथ जोड़कर जनता तक पहुंचाने की कोशिश करेगी।

कांग्रेस की रणनीति में मतदाता अधिकार को केंद्रीय मुद्दा बनाने की कोशिश दिखाई दे रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि लोकतंत्र में मतदाता सबसे महत्वपूर्ण है और उसके मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित होना जरूरी है। कांग्रेस इसी संदेश के साथ अपने अभियान को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। हालांकि, इस मुद्दे पर कांग्रेस को जनता के बीच यह भी स्पष्ट करना होगा कि एसआईआर में उसकी आपत्तियां क्या हैं और उनके समाधान के लिए वह क्या ठोस विकल्प चाहती है। दूसरी ओर भाजपा संवैधानिक प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की भूमिका को आधार बनाकर कांग्रेस के आरोपों का जवाब दे रही है।

इस तरह 2०27 के चुनाव से पहले उत्तराखंड में मतदाता सूची का मुद्दा अब राजनीतिक संघर्ष का नया मैदान बनता दिख रहा है। कांग्रेस सड़क पर उतरकर वोट बचाओ-देश बचाओ का संदेश देगी, जबकि भाजपा एसआईआर का बचाव करते हुए विपक्ष के अभियान पर सवाल उठा रही है। आने वाले दिनों में यह टकराव जिला मुख्यालयों से लेकर गांव और बूथ स्तर तक पहुंचने की संभावना है।



गांधी जयंती पर देहरादून साइकिलिंग क्लब ने खाराखेत पहुंचकर आंदोलनकारियों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर देहरादून साइकिलिंग क्लब ने देहरादून वन विभाग के सहयोग से खाराखेत तक विशेष श्रद्धांजलि राइड का आयोजन किया। इस साइकिल रैली का उद्देश्य महात्मा गांधी के शांति एहंसा और सत्य के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना तथा स्वतंत्रता आंदोलन में खाराखेत और देहरादून के योगदान को याद करना था।

साइकिल रैली की शुरुआत सुबह 5 बजे देहरादून घंटाघर से हुई। साइकिलिस्टों ने घंटाघर, बल्लूपुर, पंडितवाड़ी, प्रेमनगर चौकनंदा की चौकीपोंधा महात्मा गांधी नमक सत्याग्रह आंदोलन स्मारक स्थल खाराखेत तक साइकिल यात्रा की। लगभग 5.45 बजे नंदा की चौकी पहुंचने पर वन विभाग के अधिकारी ए रेंजर एवं वनकर्मी रैली में शामिल हुए और खाराखेत तक साइकिलिस्टों के साथ रहकर उनकी सुरक्षा एवं मार्गदर्शन में सहयोग किया।

रैली का नेतृत्व क्लब के युवा नेता प्रणय पंत ने किया। जबकि क्लब की महिला युवा ननेत्री आरती ने भी प्रतिभागियों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों को महात्मा गांधी के विचारों, शांति, अहिंसा और समाज के प्रति जिम्मेदारी के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही महात्मा गांधी नमक सत्याग्रह आंदोलन स्मारक स्थल खाराखेत के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि देहरादून के लोगों ने भी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और वर्ष 1930 के दांडी मार्च तथा महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर स्वतंत्रता आंदोलन का समर्थन किया था।

देहरादून साइकिलिंग क्लब के अध्यक्ष हरिसिमरन सिंह ने देहरादून वन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वन विभाग ने रैली के दौरान साइकिलिस्टों की सुरक्षा और मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। उन्होंने विशेष रूप से देहरादून वन अधिकारी श्री वैभव सिंह ए रेंजर श्री सोनल पनेरू ए राजेश कुमार ए डिप्टी रेंजर संजीव कुमार दुबे ए वन दरोगा खेमराज सिंह ए बीट अधिकारी अजय कुमार ए बीट अधिकारी गोबिंदा तथा बीट अधिकारी मोहन लाल का धन्यवाद किया।

रैली का समापन खाराखेत स्मारक पर महात्मा गांधी एवं प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानियों को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। साइकिलिस्टों ने स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करते हुए शांति एहंसा ए पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया।

इस अवसर पर प्रणय पंत, आरती, हरिसिमरन सिंह, चित्रांग, मोहम्मद हारिस, अमन, प्रांजल, आर्यन चौहान, आदर्श रावत, देवरात, प्रांजल कपूर, अनमोल चौधरी, अनिरुद्ध, महावीर सिंह, शन्वी पुंडीर, केशव पुंडीर सहित देहरादून साइकिलिंग क्लब के अनेक सदस्य एवं अन्य साइकिलिस्ट उपस्थित रहे।

प्राच्यविद्या सम्मेलन के लिए अब 10 अक्तूबर तक पंजीकरण

हरिद्वार (आरएनएस)। विश्वविद्यालय पतंजलि में होने वाले 52वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 अक्तूबर कर दी गई है। विद्यार्थियों और शोधार्थियों की बढ़ती सहभागिता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। अब तक करीब एक हजार विद्यार्थी पंजीकरण करा चुके हैं।

सम्मेलन में देश-विदेश के विद्वान, आचार्य, शोधार्थी और विद्यार्थी शामिल होंगे। संस्कृत, भारतीय दर्शन, धर्म, योग, आयुर्वेद, इतिहास, पुरातत्व, भाषाविज्ञान, पांडुलिपि विज्ञान, भारतीय ज्ञान प्रणाली, साहित्य, कला और शिक्षा समेत विभिन्न विषयों पर शोध और अकादमिक विमर्श होगा। भारतीय अनुसंधान पद्धति, कुंभ रहस्य, संस्कृत एवं संगणकीय भाषाविज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा प्राचीन भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे विषय भी चर्चा के केंद्र में रहेंगे। सम्मेलन में पंडित परिषद विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। इसमें पारंपरिक शास्त्रों के विद्वान शास्त्रीय विमर्श करेंगे। युवा शोधार्थियों और विद्यार्थियों को वरिष्ठ विद्वानों के समक्ष शोध प्रस्तुत करने और अकादमिक मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

डीआईटी विश्वविद्यालय में विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2026 का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। डीआईटी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल एंड हेल्थ साइंसेज में विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2026 अत्यंत उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता के साथ मनाया गया।

आज यहां डीआईटी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल एंड हेल्थ साइंसेज में विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2026 अत्यंत उत्साह एवं सक्रिय सहभागिता के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन फैंकल्टी ऑफ फार्मेसी द्वारा आरोग्य क्लब के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की थीम थी 'स्वस्थ भविष्य के लिए फार्मासिस्टों को सशक्त बनाना'। इस आयोजन का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं, रोगी सुरक्षा, औषधि प्रबंधन, रोग-निवारण तथा जन-स्वास्थ्य जागरूकता में फार्मासिस्टों की अनिवार्य भूमिका को रेखांकित करना था। साथ ही, इस अवसर ने फार्मेसी के विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक ज्ञान, रचनात्मकता, संचार कौशल, नेतृत्व क्षमता एवं व्यावसायिक दक्षता प्रदर्शित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। उद्घाटन कार्यक्रम विश्वकर्मा सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया। समारोह का शुभारम्भ पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसके पश्चात सरस्वती वंदना एवं डीआईटी कुलगीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली मंच संचालन सुश्री खुशी मधेसिया द्वारा किया गया। प्रो. जी. टी. कुलकर्णी, डीन, ने स्वागत उद्बोधन दिया और स्वास्थ्य कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। अंत में डॉ. राजीव शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एवं आयोजन सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन, विशिष्ट अतिथियों, मुख्य वक्ता, संकाय सदस्यों, आयोजन समिति, प्रतिभागियों तथा सभी विद्यार्थियों का



नैतिक मूल्यों तथा व्यावसायिक उत्कृष्टता को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि व्याख्यान राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, सहायक महाप्रबंधक (उत्पादन), बायोलाॅजिकल ई. लिमिटेड द्वारा दिया गया।

उन्होंने फार्मास्यूटिकल उद्योग, वर्तमान औद्योगिक अपेक्षाओं तथा उत्पादन, गुणवत्ता आश्वासन, रोगी देखभाल एवं जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में फार्मासिस्टों की बढ़ती भूमिका पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उन्होंने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस अर्थात् रोगाणुरोधी प्रतिरोध की गंभीर चुनौती पर भी चर्चा की तथा एंटीबायोटिक दवाओं के तर्कसंगत एवं जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने में फार्मासिस्टों की जिम्मेदारी पर विशेष बल दिया। समापन टिप्पणियाँ प्रो. मनदीप अरोड़ा, विभागाध्यक्ष, फैंकल्टी ऑफ फार्मेसी द्वारा प्रस्तुत की गईं। उन्होंने आयोजन समिति एवं विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की तथा विद्यार्थियों को व्यावसायिक नैतिकता, निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और फार्मेसी पेशे के विकास के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। अंत में डॉ. राजीव शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एवं आयोजन सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन, विशिष्ट अतिथियों, मुख्य वक्ता, संकाय सदस्यों, आयोजन समिति, प्रतिभागियों तथा सभी विद्यार्थियों का

कार्यक्रम को सफल एवं यादगार बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रो. एस. के. गुप्ता, डॉ. समीर भार्गव, डॉ. रितु, डॉ. एंजेलीना, सुश्री सौम्या, सुश्री विभूति पोपला, डॉ. अशोक बेहेरा, डॉ. पंकज पंत, डॉ. शशांक तथा अन्य संकाय एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। डीआईटी विश्वविद्यालय में आयोजित विश्व फार्मासिस्ट दिवस 2026 का यह समारोह अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक रहा। इस आयोजन ने फार्मेसी पेशे के महत्व को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया तथा विद्यार्थियों को ज्ञान, जिम्मेदारी, नवाचार एवं संवेदनशील स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से एक स्वस्थ भविष्य के निर्माण हेतु प्रेरित किया।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। नशामुक्त

भारत अभियान के तहत समाज कल्याण विभाग के माध्यम से मुख्य बाजार में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने जन-जागरूकता रैली निकाली। रैली में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय लोगों ने प्रतिभाग कर आम जनमानस को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में नशा विरोधी संदेश लिखीं तख्तियां लेकर लोगों से नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने देश को बचाना है, नशे को दूर भगाना है और नशामुक्त भारत, स्वस्थ भारत जैसे नारों से बाजार क्षेत्र नशामुक्त समाज का संदेश दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिस का जनजागरूकता अभियान जारी

संवाददाता

टिहरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन पर पुलिस ने जनजागरूकता अभियान जारी किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद टिहरी गढ़वाल श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देशन में टिहरी पुलिस द्वारा साइबर अपराध, महिला सुरक्षा एवं नशे के विरुद्ध लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कोतवाली घनसाली पुलिस द्वारा विकासखंड परिसर भिलंगना, घनसाली में आयोजित छात्र-छात्राओं की काउंसिलिंग एवं जागरूकता सेमिनार में करीब 600 छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध, नारी सुरक्षा, नशे के दुष्प्रभाव एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान वडनि दिनेश बल्लभ द्वारा छात्र-छात्राओं को वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों के प्रति सचेत करते हुए ओटीपी/यूपीआई फ्रॉड, फर्जी कॉल, केवाईसी अपडेट के नाम पर ठगी, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया फ्रॉड एवं डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी गई।



छात्र-छात्राओं को किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ ओटीपी, एटीएम/डेबिट कार्ड की जानकारी, पिन, सीवीवी, बैंक विवरण अथवा यूपीआई पिन साझा न करने तथा संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी गई।

साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई। इसके साथ ही महिला एवं बाल सुरक्षा, पोक्सो अधिनियम तथा नारी सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न अथवा अपराध की स्थिति में तत्काल डायल 112 अथवा नजदीकी

पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशे के विरुद्ध जागरूक करने का आह्वान किया गया। साथ ही यातायात नियमों का पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के प्रयोग तथा सड़क सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागरूकता, महिला एवं बाल सुरक्षा, नशा मुक्ति एवं सड़क सुरक्षा अभियानों की सराहना करते हुए जागरूकता फैलाने में सहयोग का आश्वासन दिया।



माँ भगवती की द्वितीय चौकी में गूँजे भजन, तरुण सागर ने बांधा समाँ

संवाददाता
देहरादून। ऋषिकेश जागरण समिति की ओर से माँ भगवती की द्वितीय चौकी का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। चौकी में भजनों का गुणगान करने के लिए दिल्ली से प्रसिद्ध भजन गायक तरुण सागर पहुंचे। तरुण सागर सा रे गा मा एवं टी-सीरीज से जुड़े रहे हैं और देश के प्रसिद्ध भजन गायकों में उनकी पहचान है। उन्होंने बॉलीवुड फिल्म हाउसफुल में अभिनेता अक्षय कुमार के लिए भी गीत गाया है। तरुण सागर ने चौकी में अपने प्रसिद्ध भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। उन्होंने “लाल चोला सी दे दर्जी”, “दिल करता मैया जी मेरा दिल करता”, “माँ मैं तेनु की चढ़वां”, “सांसों की माला में सिमरूं मैं” और “मेला मैया दा” सहित कई भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु भक्तिभाव में झूमते नजर आए। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष धीरज चतरथ, उपाध्यक्ष हरेन्द्र सैनी, उपाध्यक्ष हिमांशु शर्मा, मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ चतरथ, सौरभ राज, पंडित पवन गौदियाल,, विशाल गौड़,पं ज्योति शर्मा पुखराज, प्रियांशु, कृष्णा शर्मा, सूरज, योगेश वर्मा, पार्षद प्रिंस मनचंदा, योगेश कलड़ा, आलोक चावला, के के सचदेवा, अजय ब्रेजा, राजेश, रोहित, सोनू, भानु पांडे, नितिन, दक्षेश मनचंदा, मनीष छावड़ा, रवि धिड़ियाल, राजीव कालड़ा,गोपाल नारंग, सुरेश, राजपाल अनीता मंमगाई, खरोला, सीमा चचरा , संजय शर्मा, हिमांशु बजाज , सूरज, आदि महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मुख्यमंत्री ने किया भावपूर्ण स्मरण

संवाददाता
देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका भावपूर्ण स्मरण किया। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका भावपूर्ण स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और मानवता के सिद्धांत सदैव समाज को प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचार आज भी शांति, सद्भाव और सामाजिक समरसता के लिए प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण करते हुए कहा कि उनका सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका ‘जय जवान, जय किसान’ का उद्घोष देश के जवानों और किसानों के सम्मान तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को सदैव रेखांकित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों महान विभूतियों के आदर्श हमें राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।

उत्तराखंड में ‘जेन-जी’ मांग रहा है जवाब

कार्यालय संवाददाता
देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में जेन-जी अब केवल सोशल मीडिया पर सक्रिय पीढ़ी नहीं, बल्कि चुनावी विमर्श को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण युवा वर्ग बनती दिख रही है। 2027 विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों ने युवाओं के बीच अपनी पहुंच बढ़ानी शुरू कर दी है। लेकिन जेन-जी का मूड केवल राजनीतिक नारों या नेताओं की अपील तक सीमित दिखाई नहीं देता। रोजगार, पारदर्शी भर्ती, शिक्षा, पलायन, उद्यमिता और डिजिटल अवसर जैसे सवाल उसके राजनीतिक संवाद के केंद्र में हैं। हाल के युवा संवाद कार्यक्रमों में भी यही तस्वीर सामने आई है। मेरे सपनों का उत्तराखंड अभियान के तहत बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने रोजगार, पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती और पर्यटन से जुड़े सुझाव दिए। मुख्यमंत्री के साथ हुए संवाद में भी युवाओं ने राज्य के भविष्य को लेकर अपनी प्राथमिकताएं सामने रखीं।

जेन-जी के सामने राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि यह पीढ़ी केवल भाषण सुनकर संतुष्ट होने वाली नहीं दिखती। वह सवाल पूछती है कि रोजगार कहां है, भर्ती प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है, पढ़ाई के बाद अवसर कहां मिलेंगे और पहाड़ में रहने वाले युवाओं के

□ रोजगार से लेकर भर्ती और पलायन तक मुद्दों पर मुखर
□ 2027 से पहले राजनीतिक दलों के लिए बढ़ गई चुनौती
□ हाल के युवा संवाद कार्यक्रमों में यही तस्वीर सामने आई

लिए भविष्य की क्या गारंटी है। देशव्यापी युवा सर्वेक्षणों में भी रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य को युवाओं की प्रमुख राजनीतिक प्राथमिकताओं में बताया गया है। इससे उत्तराखंड में भी युवा राजनीति को केवल भावनात्मक मुद्दों तक सीमित रखने के बजाय रोजमर्रा के अवसरों और भविष्य से जोड़ने की जरूरत सामने आती है। 2026 की प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार उत्तराखंड में करीब 17 लाख युवा मतदाता हैं और 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग की हिस्सेदारी

भी महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों युवा मतदाताओं तक पहुंच बनाने की रणनीति पर जोर दे रहे हैं। भाजपा की ओर से युवाओं से संवाद और युवा विद्यार्थी मंथन जैसे कार्यक्रम किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने तीन लाख से अधिक छात्रों से संवाद का कार्यक्रम भी शुरू किया था। वहीं विपक्ष भी युवाओं के बीच रोजगार, भर्ती और शिक्षा जैसे सवालों को प्रमुखता दे रहा है। उत्तराखंड के संदर्भ में युवा सवाल और भी गहरे हैं। पहाड़ से पलायन रोकना है तो रोजगार कहां पैदा होगा? उच्च शिक्षा के बाद युवा राज्य में क्यों रुकेगा? प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को पारदर्शी व्यवस्था कैसे मिलेगी? स्थानीय संसाधनों से उद्यमिता के अवसर कैसे बनेंगे?

यही वह सवाल हैं जिनका जवाब चुनावी घोषणा-पत्रों से आगे जमीन पर चाहिए। 2027 की राजनीति में जेन-जी किस दल के साथ जाएगी, इसका निष्कर्ष अभी निकालना जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना जरूर स्पष्ट है कि उत्तराखंड का युवा अब केवल किसके साथ का सवाल नहीं पूछ रहा कि वह क्यों और क्या मिलेगा का जवाब भी मांग रहा है। यही बदलाव आने वाले विधानसभा चुनाव की राजनीतिक बहस की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण हो सकता है।

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी ने चलाया स्वच्छता अभियान

संवाददाता
देहरादून। सेवा सप्ताह अभियान के तहत यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी ने खुदबुदा मोहल्ला में स्वच्छता अभियान चलाया। आज यहां सेवा सप्ताह अभियान के तहत यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड देहरादून व्यवसाय कार्यालय की ओर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय, खुड़बुदा मोहल्ला में स्वच्छता अभियान एवं निवारक सतर्कता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों रोहित नौटियाल एवं जितेंद्र सिंह ने छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए स्वच्छता, साफ-सफाई, स्वस्थ जीवनशैली, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं निवारक सतर्कता के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता एवं अनुशासन अपनाने के साथ-साथ नैतिक मूल्यों और ईमानदारी के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता एवं सतर्कता विषय पर आयोजित प्रश्नोत्तरी और विभिन्न संवादात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छ एवं स्वस्थ आदतों का विकास करने के साथ उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम संयोजक राजकुमार तिवारी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग के लिए विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में रविंदर कुमार, अविरल भंडारी, अशोक गुसाई एवं आस्था श्रोत्रिय ने भी सक्रिय सहभागिता की।

शब्द सामर्थ्य - 60

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय

19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8.

ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 59 का हल

दि	क्र	त		आ	सा	न		आ
ल		मी		खि		सी	ख	ना
	म	ज	बू	र		ह		जा
स	र्द			का		त	रा	ना
र				र	वि		ह	
प	ह	ना	ना		ना	रा	ज	
ट				क	शि	श		नी
	र			का		रा		य
खा	ति	र	दा	री		त	क्ष	क

संयुक्त परिषद ने चिन्हीकरण की मांग को शहीद स्थल पर पहुंचे मुख्यमंत्री को दिया ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। चिन्हीकरण की तिथि बढ़ाने और छूटे आंदोलनकारियों को सम्मान देने की मांग को लेकर शहीद स्थल पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने ज्ञापन सौंपा।

आज यहां उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने शहीद स्थल पर मुख्यमंत्री, उत्तराखंड सरकार, देहरादून को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन का विषय था। चिन्हीकरण की तिथि बढ़ाने तथा छूटे हुए उत्तराखंड आंदोलनकारियों का चिन्हीकरण किए जाने के संबंध में। परिषद ने कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलन में हजारों आंदोलनकारियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर करते हुए राज्य के गठन में अमूल्य योगदान दिया। उनके बलिदान और संघर्ष के फलस्वरूप ही उत्तराखंड राज्य का अस्तित्व संभव हो सका। सरकार द्वारा चिन्हीकरण की प्रक्रिया चलाई जा रही है, किंतु अभी भी बड़ी संख्या में वास्तविक एवं प्रामाणिक आंदोलनकारी चिन्हीकरण से वंचित हैं। इससे आंदोलनकारियों एवं उनके परिवारजनों में गहरी निराशा और आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में मुख्य मांगें रखी गई हैं कि चिन्हीकरण की वर्तमान तिथि बढ़ाई जाए, जिससे छूटे हुए आंदोलनकारी भी आवेदन कर सकें। छूटे हुए समस्त प्रामाणिक उत्तराखंड आंदोलनकारियों का चिन्हीकरण कर उन्हें सम्मान एवं सरकारी सुविधाओं का लाभ दिया जाए। चिन्हीकरण प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल एवं समावेशी बनाया जाए, जिससे कोई भी वास्तविक आंदोलनकारी वंचित न रह जाए। छूटे हुए आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण हेतु शिविर आयोजित किए जाएं तथा आवश्यक दस्तावेजों में सहायता उपलब्ध कराते हुए दो वरिष्ठ आंदोलनकारियों के सत्यापन को आधार बनाया जाए। ज्ञापन सौंपने के बाद मुख्यमंत्री ने संयुक्त परिषद के प्रतिनिधि को आश्वासन दिया कि चिन्हीकरण की प्रक्रिया को फिर से शुरू किया जाएगा, जिससे कोई भी वास्तविक आंदोलनकारी वंचित न रहे। परिषद ने सरकार के इस आश्वासन का स्वागत किया और आशा जताई कि शीघ्र ही ठोस आदेश जारी होंगे तथा छूटे हुए उत्तराखंड आंदोलनकारियों को न्याय एवं सम्मान प्राप्त होगा। इससे राज्य आंदोलन के इतिहास और बलिदान को भी उचित स्थान मिल सकेगा। इस अवसर पर मुजफ्फरपुर काण्ड के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई तथा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। धरने में संरक्षक बालेश बबानिया, अध्यक्ष सुरेश कुमार, अनंत आकाश, सचिव सीपीएम, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष लेखराज, महिला अध्यक्ष प्रमिला रावत, सुभागा फर्सवाण, राजेश शर्मा, प्रभात डण्डरियाल, मंजू पंवार, गीता नेगी, रेखा शर्मा, सुरेंद्र सिंह सजवाण, चिंतन सकलानी, देवेश्वरी गुसाई, शांति तड्डियाल, एकादशी, पुष्पा बहुगुणा, मीरा गुसाई, अजय तिवारी, भगत सिंह रावत, जगदेश्वरी अन्थवाल, कल्पेश्वरी, रेखा शर्मा, सुनीता बहुगुणा, सुमित्रा रावत, नुरैशा अंसारी, गौरा देवी, शांति, पुष्पा रावत, विमला भट्ट, शाकुम्भरी, विमला, शांता उनियाल, नारायण दत्त, शांति बुटोला, सतेश्वरी बहुगुणा, इंदर दत्त बहुगुणा, बिंदा मिश्रा, शीला बहुगुणा, अनिता नेगी, कुसुम नौडियाल, शशि जैन, जानकी भट्ट, यशोदा देवी आदि बड़ी संख्या में आंदोलनकारी शामिल थे। ज्ञापन की प्रति राज्यपाल, उत्तराखंड, देहरादून को भी प्रेषित की गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में मनाई गई महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती

संवाददाता

देहरादून। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। आज यहां मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय ध्वज फहराकर एवं राष्ट्रगीत श्रद्धे मातरम व राष्ट्रगान के गरिमामय गायन से हुआ। इसके पश्चात उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर बापू के प्रिय भजनों 'वैष्णव जन तो तेने कहिये' और 'रघुपति राघव राजा राम' का सामूहिक गायन किया गया, जिससे पूरा परिसर देशभक्ति के वातावरण से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य-अहिंसा के विचार और लाल बहादुर शास्त्री का सादगी भरा जीवन आज भी हमारे लिए सर्वोच्च आदर्श हैं। राष्ट्र के प्रति दोनों महापुरुषों के अतुलनीय योगदान के लिए हम उनके सदैव ऋणी रहेंगे। आइए, उनके दिखाए मार्ग पर चलकर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सेवाभाव से समाज के कल्याण का संकल्प लें। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार शर्मा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी. एस. नेगी, डॉ. हितेश शर्मा, डॉ. प्रदीप राणा, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र त्यागी, डॉ अभिनव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी नवीन चंद्र जोशी, अरुणा नेगी, प्रशासनिक अधिकारी कांति शर्मा, जिला फार्मसी अधिकारी गजपाल सिंह रावत, उत्तम सिंह बिष्ट, जिला मलेरिया अधिकारी सुभाष जोशी, लेखाकार अमित राणा, सिटी अर्बन हेल्थ ऑफीसर राकेश बिष्ट, सीपीएचसी कोऑर्डिनेटर मनोज खंडूरी, लेखा प्रबंधक विवेक गुसाई, एनसीडी सलाहकार अर्चना उनियाल, मुक्ता मल्होत्रा, अभिषेक त्रिपाठी, कमली देवी सहित कार्यालय समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मूल निवास और भू-कानून लागू करने की मांग उग्र राज्य आंदोलनकारियों ने कलेक्ट्रेट भवन पर चढ़कर कर किया प्रदर्शन

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। जनपद मुख्यालय स्थित जिला कलेक्ट्रेट में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय भवन के ऊपर चढ़ गए। दरअसल ये लोग भू-कानून और मूल निवास लागू करने की मांग कर रहे हैं। राज्य आंदोलनकारियों का कहना है कि लंबे समय से प्रदेश में सशक्त भू-कानून और मूल निवास की मांग की जा रही है, लेकिन सरकार इस पर कोई ठोस निर्णय नहीं ले रही है। इसी को लेकर आंदोलनकारियों में भारी आक्रोश है।

आज गांधी जयंती पर आंदोलनकारी सीधे जिलाधिकारी कार्यालय भवन पर चढ़ गए और वहां से सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। अचानक हुई इस घटना से कलेक्ट्रेट परिसर में हड़कंप मच गया सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया। पुलिस द्वारा भवन पर चढ़े आंदोलनकारियों को नीचे उतरने



के लिए लगातार समझाया जा रहा है, लेकिन आंदोलनकारी नीचे उतरने को तैयार नहीं हुए। राज्य आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक मौके पर कोई जिम्मेदार अधिकारी आकर उनका ज्ञापन नहीं लेगा, तब तक वे नीचे नहीं उतरेंगे। वही मामले की गंभीरता को देखते हुए अधिकारी अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र मौके पर पहुंची और भवन

पर चढ़े आंदोलनकारियों से बातचीत की उसके बाद आंदोलनकारी भवन से नीचे उतरे। आंदोलनकारियों ने मूल निवास, सशक्त भू कानून लागू करने एवं अन्य मांग को लेकर एक ज्ञापन अपर जिलाधिकारी के माध्यम से सरकार को भेजा और आंदोलनकारियों ने सरकार से मांग कि जल्द मूल निवास, एवं सशक्त भू कानून राज्य में लागू किया जाये।

समिति ने राष्ट्रपिता व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनको याद किया

देहरादून (सं)। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उन्हें याद किया। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उन्हें याद किया। इस मौके पर समिति के पदाधिकारी ने गांधी पार्क स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर गांधी और शास्त्री को याद करते हुए उनके संघर्ष, बलिदान और जीवन पर प्रकाश डाला। इस मौके पर प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि दोनों विभूतियों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि देश प्रगति की ओर अग्रसर हो हम सदैव उनके बताए मार्ग पर चलें दोनों महान शख्सियतों को याद करने वालों में प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी, जय बिष्ट, दानिश नूर, अतुल शर्मा, नितिन राठौड़, संदीप गुप्ता, पारस यादव, सहित अनेक साथी उपस्थित रहे।

चोरी का खुलासा, नौकर सहित तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। मालिक के गोदाम से चोरी करने वाले नौकर को पुलिस ने उसके दो साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चोरी का माल भी बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीती 30 सितम्बर को अंकित चौहान निवासी एरिया सेल्स मैनेजर सूर्या संसार ऑफिस पितृवाला देहरादून ने खुद के ऑफिस सूर्या सोलर के गोदाम से उनके नौकर जितिन चौहान द्वारा तार के बन्डल चोरी किये जाने के सम्बन्ध में एक प्रार्थना पत्र दिया गया, जिस पर तत्काल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। पुलिस ने घटना स्थल तथा उसके आस-पास आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की सहायता से घटना के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई तथा प्राप्त जानकारी के आधार पर बीती रात एक सूचना के आधार पर आरोपी जितिन व चोरी का माल खरीदने वाले 2 अन्य आरोपियों को निर्माणाधीन हाईवे के पास चन्द्रबनी पटेलनगर से गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से चोरी किये गये तार के बन्डल बरामद किये गये। पूछताछ में आरोपी जितिन चौहान द्वारा बताया गया वह वादी के ऑफिस में करीब 2 वर्ष से काम करता था तथा ज्यादा पैसा



कमाने की लालच में वह पिछले 4-5 महीने से वादी के गोदाम से तार के बन्डल चुराकर कबाड़ियों को औने पौने दाम पर बेचता था, जब उसके मालिक को उसके द्वारा गोदाम से तार के बन्डल चोरी किये जाने की जानकारी हुई, तो उसके मालिक के द्वारा उसके खिलाफ थाने में मुकदमा लिखवाया गया, आज आरोपी पूर्व में चुराये गये तारों के बन्डलों को उक्त कबाड़ियों को बेचकर अपने गाँव भागने की फिराक में था, पर उससे पूर्व ही पुलिस ने उसे व चोरी का माल खरीदने वाले दोनों कबाड़ियों को पकड़

लिया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम जितिन चौहान पुत्र जितेन्द्र चौहान निवासी पितृवाला खुर्द, वैष्णवी लोक काँलोनी, पटेलनगर, देहरादून मूल पता कालूवाला पहरीपुर, जहाँपुर सहारनपुर, उ.प्र., संजीत पुत्र नन्दलाल सैनी निवासी टीसीडी, थाना बसवारा, जिला दरभंगा, बिहार हाल पता राजपुर रोड, कण्डोली, थाना रायपुर, देहरादून व तालिब पुत्र दिलशाद निवासी मेहुँवाला माफी, पटेलनगर, देहरादून मूल पता कीनौडी, थाना मीरापुर, मुजफ्फरनगर बताये जा रहे हैं। जिन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि राज्य सरकार आंदोलनकारियों एवं शहीद आंदोलनकारियों के परिजनों के सम्मान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध: सीएम



संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीद स्थल कचहरी परिसर, देहरादून में उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी शहीदों की पुण्य स्मृति में उनके चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीद स्थल कचहरी परिसर,

देहरादून में उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी शहीदों की पुण्य स्मृति में उनके चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड राज्य निर्माण के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले राज्य आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि उनके संघर्ष, त्याग और बलिदान से ही अलग उत्तराखण्ड राज्य का निर्माण संभव हो सका। राज्य निर्माण में उनके योगदान को सदैव स्मरण रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आंदोलनकारियों एवं शहीद आंदोलनकारियों के परिजनों के सम्मान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड का निर्माण ही शहीद आंदोलनकारियों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास भी मौजूद थे।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर मुख्यमंत्री ने किया भावपूर्ण स्मरण

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका भावपूर्ण स्मरण किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उनके चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनका भावपूर्ण स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और मानवता के सिद्धांत सदैव समाज को प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचार आज भी शांति, सद्भाव और सामाजिक समरसता के लिए प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण करते हुए कहा कि उनका सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका 'जय जवान, जय किसान' का उद्घोष देश के जवानों और किसानों के सम्मान तथा राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को सदैव रेखांकित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों महान विभूतियों के आदर्श हमें राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।



राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर दी श्रद्धांजलि



हमारे संवाददाता देहरादून। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, देहरादून में कांग्रेसजनों ने दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पूर्व कांग्रेस विधायक राजकुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष लालचंद शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सुजाता पॉल, विनीत प्रसाद भट्ट, सुनील बांगा, अभिनव कफलिया, अमन उज्जैनवाल, मुकेश बसेड़ा तथा डीबीएस के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष हर्ष राणा सहित कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेसजनों ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और स्वराज के सिद्धांतों तथा लाल बहादुर शास्त्री के सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

पिपली, डिबनू और भैलुंता के विद्यालयों का होगा पुनर्निर्माण कार्य

नई टिहरी (आरएनएस)। प्राथमिक विद्यालय पिपली, डिबनू और भैलुंता के जीर्णोद्धार भवनों का नव निर्माण होने की उम्मीद जगी है। तीनों विद्यालयों के भवनों के निर्माण को शासन ने 93.86 लाख की धनराशि जारी कर दी है। चंबा ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पिपली और डिबनू तथा प्रतापनगर के भैलुंता प्राथमिक विद्यालय का भवन पुराने होने के कारण जर्जर बने हैं। भवनों की स्थिति खराब होने से छात्र-छात्राओं का पठन पाठन बाधित होने के साथ शिक्षकों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अभिभावक के साथ ग्रामीण लंबे समय से भवनों की मरम्मत और पुनर्निर्माण की गुहार लगा रहे हैं। जिला पंचायत सदस्य बागी दर्शनी रावत ने बताया उनके गांव पिपली का विद्यालय भवन का निर्माण करीब 25 वर्ष पूर्व हुआ था लेकिन मरम्मत के अभाव में विद्यालय की खस्ताहाल हो गई। बारिश में विद्यालय की छत से कमरों में पानी टपकने से छात्रों का पठन पाठन बाधित होता है। पानी आने से विद्यालय में रखा सामान खराब होने की आशंका बनी रहती है। विद्यालय में वर्तमान में 15 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को कई बार विद्यालय की मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए पत्राचार किया गया लेकिन बजट के अभाव में भवन का कार्य नहीं हो पाया।

दुकानदार को जान से मारने की धमकी मामले में मोहम्मद दीपक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता पौड़ी। पिछले साल मुस्लिम दुकानदार की रक्षा के लिए बजरंग दल से टकराने वाले जिम संचालक दीपक कुमार उर्फ मोहम्मद दीपक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दीपक पर आरोप है कि उसने एक स्थानीय दुकानदार को जान से मारने की धमकी दी थी।

जानकारी के अनुसार कोटद्वार में कपड़ों का व्यवसाय करने वाले संजीव टोंक ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि दीपक उर्फ अक्की उर्फ मोहम्मद दीपक ने उनके साथ अभद्र व्यवहार, गाली-गलौज तथा जान से मारने की धमकी दी गयी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान घटनास्थल के

सीसी फुटेज एवं उपलब्ध फोटो/वीडियो साक्ष्यों का परीक्षण किया गया। साक्ष्यों के अवलोकन से प्रथम दृष्टया यह तथ्य प्रकाश में आया कि आरोपी द्वारा वादी के साथ गाली-गलौज करने के साथ-साथ धमकी भी दी गई। जांच में यह भी सामने आया कि दीपक उर्फ अक्की उर्फ मोहम्मद दीपक का पूर्व में भी विभिन्न सामाजिक विवादों से जुड़े मामलों में नाम सामने आता रहा है, जिनके कारण क्षेत्र की शांति एवं कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई थी। साथ ही उसके द्वारा लोगों को एकत्रित करने एवं तनावपूर्ण वातावरण उत्पन्न करने संबंधी गतिविधियों की सूचनाएं भी पुलिस के संज्ञान में आई हैं।

उपलब्ध साक्ष्यों, आरोपी की गतिविधि

यों तथा क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की संभावनाओं के दृष्टिगत कोटद्वार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपक उर्फ अक्की उर्फ मोहम्मद दीपक को धारा 170 के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है।

व्यापारी संजीव टोंक का आरोप है कि पिछले दिनों उज्जैन में एक मस्जिद को गिराए जाने संबंधी दीपक की पोस्ट पर उनके द्वारा टिप्पणी की गई कि सेना पर पत्थरबाजी करने वालों के खिलाफ भी कभी कुछ लिख दिया करें। संजीव का आरोप है कि इस टिप्पणी से आक्रोशित दीपक गुरुवार सुबह उनकी दुकान पर आए और उन्हें धमकाया। जब उन्होंने विरोध किया तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।

पेयजल बिलों की अनियमितता को दूर करे पेयजल निगम

ऋषिकेश (आरएनएस)। मुनिकीरेती नगर पालिका क्षेत्र में बड़े हुए जल बिल, अपर्याप्त पेयजल आपूर्ति समेत अन्य समस्याओं पर जनप्रतिनिधियों व आम लोगों ने रोष जताया है। उन्होंने पेयजल निगम के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंप पेयजल बिलों की अनियमितता को दूर करने, जल मीटर व्यवस्था को पूर्णतः समाप्त किए जाने की मांग की। मुनिकीरेती नगर पालिका के प्रतिनिधियों व लोगों ने क्षेत्र में स्थित पेयजल निगम कार्यालय में पहुंचकर अधिशासी अभियंता को ज्ञापन दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में क्षेत्र की जनता को पानी के बिलों में लगातार बढ़ोतरी, बिलों में अनियमितता तथा जल मीटरों के कारण अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पेयजल बिलों में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है, जिससे आम जनता पर अनुवश्यक आर्थिक भार पड़ रहा है। अनेक उपभोक्ताओं के पानी के बिलों में अनियमितता एवं गलत रीडिंग

की शिकायतें सामने आ रही हैं। कई लोगों को उनकी वास्तविक खपत के अनुरूप बिल प्राप्त नहीं हो रहे हैं। पानी की आपूर्ति के संबंध में किए गए एग्रीमेंट व व्यवस्था के अनुसार 24 घंटे पेयजल उपलब्ध कराया जाना अपेक्षित है, जबकि वर्तमान में कई क्षेत्रों में मात्र 5-6 घंटे ही पानी उपलब्ध हो पाता है। ऐसी स्थिति में उपभोक्ताओं से बड़े हुए बिल वसूलना उचित नहीं है। वर्तमान जल मीटर व्यवस्था से क्षेत्र की जनता संतुष्ट नहीं है। मीटर रीडिंग, बिल की गणना तथा बिलों में आने वाली राशि को लेकर उपभोक्ताओं में लगातार असंतोष है।

समस्या समाधान की मांग-उन्होंने कहा कि मुनिकीरेती नगर पालिका क्षेत्र में वर्तमान जल मीटर व्यवस्था को पूर्णतः समाप्त किया जाए, पानी के बिलों में की गई बढ़ोतरी की तत्काल समीक्षा कर उचित संशोधन किया जाए, जिन उपभोक्ताओं के बिलों में अनियमितता या गलत रीडिंग पाई गई है, उनके बिलों की पुनः जांच कर

संशोधित बिल जारी किए जाएं, क्षेत्रवासियों को निर्धारित व्यवस्था व एग्रीमेंट के अनुरूप पर्याप्त एवं नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, पेयजल आपूर्ति की वास्तविक स्थिति और उपभोक्ताओं से वसूले जा रहे शुल्क के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, जल मीटर व्यवस्था समाप्त करने तथा बिलों की नई व्यवस्था निर्धारित करने से पहले क्षेत्रवासियों एवं जननिर्धारितियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना जाए अन्यथा आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन देने वालों में पालिकाध्यक्ष नीलम बिजलवाण, सभासद गजेंद्र सिंह सजवाण, सभासद बबिता रमोला, सभासद विनोद सकलानी, सभासद रेखा, धनपाल सिंह भंडारी, केदार सिंह राणा, जगवीर सिंह चौहान, जयप्रकाश, दिनेश प्रसाद, विनोद, विशालमणि, सचिन पैन्थूली, अरविंद नेगी, स्वाति पोखरियाल, लक्ष्मण भंडारी, अजय रामोला आदि शामिल रहे।

मुख्य सचिव ने राष्ट्रपिता व पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। आज यहां मुख्य सचिव आनन्द



बर्द्धन ने सचिवालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। साथ ही, सचिवालय के अन्य उच्चाधिकारियों द्वारा भी गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व.

लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर भारतखंडे संगीत महाविद्यालय द्वारा गांधी जी के प्रिय भजन वैष्णव जन का समवेत गायन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुन्दरम, सचिव नितेश कुमार झा, अपर सचिव विजय कुमार जोगदंडे एवं नवनीत पाण्डेय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी - कर्मचारी भी उपस्थित थे।

बच्चों ने देखी 'हनुमान अंश' फिल्म, चेहरे पर दिखी खुशी

संवाददाता

ऋषिकेश। लायंस क्लब ऋषिकेश डिवाइन द्वारा गुरुवार को रामा पैलेस, ऋषिकेश में मनीराम मार्ग स्थित प्राथमिक विद्यालय नंबर-8 के बच्चों को 'हनुमान अंश' फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम में ललित मिश्रा ने कहा कि फिल्म के माध्यम से बच्चों को भगवान हनुमान से जुड़े

ज्ञान और सिद्ध संतों की शिक्षाओं की जानकारी मिली। साथ ही बच्चों ने फिल्म का भरपूर आनंद भी लिया। फिल्म देखने को लेकर बच्चे काफी उत्साहित और प्रफुल्लित नजर आए। क्लब की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक ज्ञान और अच्छे संस्कारों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। इस अवसर पर ललित मिश्रा, शिवम अग्रवाल, अक्षत चौहान, कमल नारंग, महेश किंगर, विकास गोवर एवं विनीत चावला मौजूद रहे।



अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर मुख्यमंत्री ने समाजसेवी मोहन खत्री को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर गुरुवार को हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र, नौबूवाला, गढ़ी कैंट में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान एवं सहभागिता को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज कल्याण विभाग, उत्तराखंड की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और समाज कल्याण मंत्री खजान दास ने सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए समाजसेवी मोहन खत्री को सम्मानित किया। समाजसेवी मोहन खत्री लंबे समय से सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में अब तक 154 रक्तदान शिविर आयोजित किए हैं। कोरोना संक्रमण के कठिन दौर में उन्होंने लगातार 45 दिनों तक जरूरतमंद और गरीब लोगों के लिए भंडारे का आयोजन कर भोजन उपलब्ध कराया। इसके अलावा उनके प्रयासों से 35 निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए गए, जिनमें लोगों को स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। सम्मान प्राप्त करने के बाद मोहन खत्री ने कहा कि वृद्धजन दिवस का संदेश केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। बुजुर्गों को परिवार और समाज में सम्मान, सुरक्षा, समय और आत्मीयता मिलना जरूरी है। वरिष्ठों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा का समन्वय समाज को नई दिशा दे सकता है।

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर एसएसपी ने उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि दी।

आज यहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर में जनपद देहरादून के सभी थानों/चौकियों, कार्यालयों एवं पुलिस लाइन में उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा पुलिस लाइन देहरादून में दोनों पुण्यात्माओं के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी। एसएसपी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन मूल्यों के बारे



में उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों को बताते हुए उनसे प्रेरणा लेने की सीख दी तथा अपने कर्तव्यों के दौरान अहिंसा व शांति को बढ़ावा देते हुए सदभावना व सौहार्द बनाये रखने, सभी धर्मों के लोगो का आदर करते हुए बिना किसी पक्षपात, हिंसा व असहिष्णुता के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने तथा विश्व में शांति, सौहार्द व एकता स्थापित करने के लिए

अपना पूरा प्रयास करने की शपथ दिलाई। इस दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा उपस्थित अधिकारियों/ कर्मचारियों को एकता दिवस की शपथ दिलाई गयी तथा पुलिस लाइन देहरादून में नियुक्त 25 सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारी/ कर्मचारी गणों द्वारा भी दोनों महानुभावों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।



(2 अक्टूबर, 1869 - 30 जनवरी, 1948)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

को उनकी जयंती पर

शत शत नमन

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in
[uttarakhandDIPR](https://twitter.com/uttarakhandDIPR)
[DIPR_UK](https://www.facebook.com/uttarakhandDIPR)
[uttarakhand DIPR](https://www.youtube.com/channel/UC...)

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़: सरगना सहित 6 लोग गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। सेक्स रैकेट का खुलासा करते हुए पुलिस ने गैंग के सरगना सहित 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से आपत्तिजनक सामग्री व देह व्यापार से कमाये गये 18 हजार रुपये की नगदी बरामद हुई है। पुलिस ने मौके से दिल्ली की एक नाबालिग युवती को भी रेस्क्यू किया है जिसे आरोपी गुमराह करके देह व्यापार कराने के उद्देश्य से देहरादून लाये थे।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली पटेलनगर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र के एक स्थान पर देह व्यापार का कारोबार किया जा रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान नील कण्ठ एनक्लेव हरभजवाला में स्थित एक मकान में औचक छापेमारी की गयी, मौके पर पुलिस टीम को 3 महिलाये व 1 नाबालिक युवती सहित 3 पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में मिले, जिनके पास से आपत्तिजनक सामग्री व 18 हजार रुपये की नगदी बरामद हुई। मौके से पुलिस द्वारा 3 महिलाओं सहित कुल 6 लोगों को अनैतिक देह व्यापार में लिप्त मिलने पर गिरफ्तार करते हुए नाबालिक युवती को



◆ किराये के कमरे में चला रहे थे जिस्म फरोशी का धंधा, दिल्ली से लाई गई एक नाबालिक युवती रेस्क्यू, आपत्तिजनक सामग्री व 18000 रुपये बरामद

रेस्क्यू किया गया। पूछताछ में पुलिस टीम को जानकारी प्राप्त हुई की आरोपी मनीष कुमार लखेड़ा द्वारा उक्त मकान को किराए पर लेकर वहाँ दिल्ली से महिलाओं को बुलाकर देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा था, आरोपी फोन के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क कर उन्हें व्हाट्सएप

पर लड़कियों की फोटो उपलब्ध कराता था तथा ग्राहकों की मांग के अनुसार उक्त महिलाओं को दिल्ली से बुलाकर अपने कमरे अथवा ग्राहकों द्वारा बताये गए स्थान पर भेज कर उनसे अनैतिक देह व्यापार करवाता था।

नाबालिक युवती को भी आरोपी का साथी

अभिषेक दिल्ली से मसूरी घुमाने के बहाने देहरादून में मनीष के कमरे में लाया था, जहाँ वह उस पर गलत काम करने का दबाव बना रहे थे परंतु युवती द्वारा मना करने पर आरोपी द्वारा उसे जबरदस्ती कमरे में बंधक बनाकर रखा गया था।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार में लिप्त होने, नाबालिक युवती को बंधक बनाकर उससे गलत काम करवाने का प्रयास करने के संबंध में कोतवाली पटेल नगर पर पोक्सो अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम मनीष कुमार लखेड़ा पुत्र सोहन लाल निवासी नील कण्ठ एनक्लेव, हरभजवाला, पटेलनगर, अभिषेक पुत्र उमालाल निवासी एच- 245 महावीर नगर, दिल्ली, भानू उर्फ सिद्धान्त पुत्र सुखराम सिंह निवासी बडोवाला, आरकंडिया नगर, देहरादून, ममता पत्नी रामूयादव निवासी 5-384 स्कूल ब्लॉक शंकरपुर, पूर्वी दिल्ली, नेहा पुत्री सलमान निवासी संगम विहार, दिल्ली व सुमन पुत्री चन्द्रभान निवासी कल्याणपुरी, दिल्ली बताये जा रहे हैं।

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर, युवक गंभीर घायल

हमारे संवाददाता

नैनीताल। लालकुआं कोतवाली क्षेत्र में मुक्तिधाम के पास गुरुवार को तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बिंदुखता निवासी मनोज कर्नाटक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कूटी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि कार को भी नुकसान पहुंचा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूटी सवार युवक लालकुआं की ओर मुड़ रहा था, इसी दौरान तेज गति से आ रही कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर

अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। स्थानीय



लोगों के मुताबिक, लालकुआं क्षेत्र में लगातार हो रहे सड़क हादसे चिंता का विषय बने हुए हैं। गुरुवार को ही क्षेत्र में दो सड़क हादसे होने से सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों ने दुर्घटना संभावित स्थानों पर यातायात व्यवस्था मजबूत करने और तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

174 यात्रियों की जान बचाने वाले कैप्टन स्मित मछार से पीएम मोदी ने की बात

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्लाईडुबई की उड़ान में 174 यात्रियों की जान बचाने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार से फोन पर बातचीत कर उनका हालचाल जाना। गंभीर संकट के बावजूद यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा के लिए दिखाए गए साहस और सूझबूझ की प्रधानमंत्री ने सराहना की। उन्होंने कैप्टन स्मित के जल्द और पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना भी की।

फ्लाईडुबई की उड़ान FZ1०73 दुबई से तेल अवीव जा रही थी, तभी कॉकपिट में गंभीर सुरक्षा घटना हुई। जांच एजेंसियों के अनुसार सह-पायलट ने कथित तौर पर कैप्टन स्मित मछार पर हमला किया और विमान को दुर्घटनाग्रस्त करने की कोशिश की। इस हमले में कैप्टन स्मित गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने संकट के बीच हिम्मत नहीं खोई।



प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर बातचीत के दौरान कैप्टन स्मित से घटना के बारे में जानकारी ली। कैप्टन ने उन्हें उस समय की परिस्थितियों और संकट के दौरान लिए गए फैसलों के बारे में बताया। प्रधानमंत्री ने विपरीत परिस्थितियों में दिखाए गए उनके साहस, संयम और यात्रियों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री से बातचीत के दौरान कैप्टन स्मित ने बताया कि कठिन परिस्थितियों में यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा की जिम्मेदारी ने उन्हें हिम्मत दी। पायलट के

तौर पर वर्षों के अनुभव और प्रशिक्षण ने भी संकट के समय तुरंत निर्णय लेने में मदद की। कैप्टन स्मित के पास करीब 15 वर्षों का उड़ान अनुभव और लगभग 9,75० घंटे की उड़ान का रिकॉर्ड बताया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी और कैप्टन स्मित के बीच बातचीत ने एक बार फिर इस घटना को चर्चा में ला दिया है। प्रधानमंत्री ने उनकी बहादुरी को देश के लिए गर्व का विषय बताया और कहा कि संकट के सबसे मुश्किल क्षण में उन्होंने अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटने के बजाय यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी। कैप्टन स्मित फिलहाल स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। उनके जल्द ठीक होने के लिए भारत और विदेशों से शुभकामनाएं मिल रही हैं। 174 यात्रियों की जान बचाने में उनकी भूमिका और गंभीर चोटों के बावजूद दिखाई गई सूझबूझ को विमानन जगत में असाधारण साहस के उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है।

जंतर-मंतर पर पुलिस का पहरा, 11 मेट्रो स्टेशन बंद !

संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूचियों तथा विशेष गहन पुनरीक्षणको लेकर विवाद के बीच आज 2 अक्टूबर को दिल्ली और मुंबई में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। जंतर-मंतर प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली मेट्रो के कई स्टेशनों के एंट्री और एग्जिट गेट बंद कर दिए गए हैं। उपलब्ध अपडेट के अनुसार 11 मेट्रो स्टेशनों पर एंट्री और एग्जिट अगले आदेश तक बंद रहेगा।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विपक्ष से जुड़े नेताओं ने प्रदर्शन का आह्वान किया है। दिल्ली पुलिस ने

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी है और नई दिल्ली जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। नई दिल्ली जिले में सार्वजनिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और यातायात सुचारु रखने के लिए धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू है। बिना लिखित अनुमति के पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, जुलूस, प्रदर्शन, धरना, नारेबाजी और भाषण पर रोक है। हथियारों के अलावा बैनर, पोस्टर, लाठी, डंडे और इसी तरह की वस्तुएं ले जाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। उल्लंघन पर ठंडे की धारा 223 सहित अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की चेतावनी

दी गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक प्रदर्शन में करीब 3,000 से 4,000 लोगों के पहुंचने की संभावना है।

दिल्ली टैफिक पुलिस ने 2 अक्टूबर को जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों



में यातायात प्रतिबंध और नियंत्रित आवाजाही को लेकर एडवाइजरी जारी की है। कर्नाट प्लेस, पटेल चौक, जीपीओ, टॉल्स्टॉय मार्ग, जंतर-मंतर रोड, संसद

मार्ग और आसपास की सड़कों पर ट्रैफिक डायवर्जन या नियंत्रण लागू किया जा सकता है। लोगों को प्रभावित रास्तों से बचने और वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का आह्वान ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के साथ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने किया है। सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रशांत भूषण, त्रश्वक सांसद मनोज झा और अन्य सामाजिक कार्यकर्ता इससे जुड़े हैं। आप नेताओं आतिशी, संजय सिंह और मनीष सिसोदिया ने भी लोगों से प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटेर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्रियों के लिए प्रिंटेर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।